कार्यालय थानाधिकरी पुलिस थाना चिकसाना भरतपुर

क्रमाक :— 3711 दिनांक :— 15.09.2020

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय,
जिला भरतपुर राज0

विषय :— मा0 राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग, जयपुर के परिवाद दिनांक 27.8.2020 के समाचार पत्रो में प्रकाशित समाचार 30 किमी दूर से तांत्रिक फूकता रहा मंत्र म्रत बच्चे के मोबाईल पर सुनाते रहे परिजनो के संबंध में रिपार्ट बावत।

प्रसंग :— श्रीमान के पत्र क्रमाक भरत/अप/विविध/20/12717 दिनांक 11.09.2020 की पालना में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं प्रसंगीय पत्र के संदर्भ में निवेदन है कि मा0 राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग, जयपुर के परिवाद दिनांक 27.8.2020 के समाचार पत्रो में प्रकाशित समाचार 30 किमी दूर से तांत्रिक फूकता रहा मंत्र मृत बच्चे के मोबाईल पर सुनाते रहे परिजन की जॉच थाना हाजा पर प्राप्त हुई जिसकी जॉच श्री रामगोपालसिह सउनि को दी गई सउनि की जॉच से पाया गया कि गॉव बराखुर में मृतक आयुष के नाना श्री शरमन उर्फ बबलू, नानी श्रीमति पिस्तादेवी, श्रीमति मीना देवी, मामा श्री टीटू उर्फ रामशरन, श्री ओमवीर, एवं पडौसियान श्री हरप्रसाद, श्री रमेश के लिये बयान लेखबद्व किये जाकर गॉव में गोपनीय पूछताछ की गई तो समस्त ब्यायानात गवाहन एवं पूछताछ से पाया गया कि आयुष पुत्र श्री विश्राम जाति जाट उम्र 8 साल निवास शेखपुरा थाना कठूमर जिला अलवर अपने नाना–नानी के पास करीब 5–6 माह से रह रहा था गॉव बराखुर में ही टयूशन पढने जाता था दिनांक 23.08.2020 को अपनी नानी पिस्तादेवी के साथ एक ही चारपाई पर कमरे के अन्दर कूलर लगाकर सो रहे थे करीब 12–12.30 बजे रात्रि को मृतक की नानी पिस्तादेवी की छाती के उपर से सॉप निकल कर गया तब पिस्तादेवी द्वारा आयुष को उठाकर देखा तो कही सांप काटने का निशान नही मिला इसके बाद आयुष अपने मामा टीटू और ओमवीर को जगाकर लाया जिन्होने कमरे को चैक किया तो उसमें सर्प मिला जिसको टीटू द्वारा मार दिया गया करीब 2–3 घण्टे बाद आयुष के पेट में दर्द हुआ तो मृतक की नानी अपने पति बबलू उर्फ रामशरन के पास नौहरे पर ले गई जिसको सारी कहानी बताई और गॉव के काफी व्यक्ति एकत्रित हो गये जिन्होने विश्राम पर दिखाने की कहा बालक आयुष को विश्राम को दिखाया तो विश्राम ने बालक आयुष के शरीर को देखा तो आयुष के वाये कान के पीछे सर्प काटने का निशान मिला और सर्प काटने की एक खुराक दी। दूसरी खुराक दी तो आयुष ने उल्टी कर दी इसके बाद लोगो के कहने से शरूरपुर लेकर गये तो वैध द्वारा बच्चे को मृत होना बताया फिर आरबीएम अस्पताल ले गये जहॉ पर इमजैन्सी में डॉक्टर ने आयुष को मृत घोषित कर किया आरबीएम अस्पताल पर किसी व्यक्ति द्वारा मोबाईल से मृत बच्चे के कान पर कुछ सुनाया जिससे भी कोई फर्क नही पडा लोगो के कहने से कलुआ का नगला खानुआ लेकर गये वहॉ पर भी इलाज नही किया और घर ले जाने की बात कही।

सम्पूर्ण जॉच से पाया गया कि मृतक बालक आयुष अपने नाना–नानी के पास गॉव बराखुर में रहता था जिसको सर्प काटने की आशका से गाव के विश्राम को दिखाया तो मृतक बालक आयुष के बाये कान के पीछे सर्प के काटने का निशान होना पाया जाने पर सर्प की दवा गॉव में दी गई अधिक तवियत खराव होने पर गॉव शरूरपुर, कलुआ का नगला और आरबीएम अस्पताल में लेकर गये परन्तु सभी ने बच्चे को मृत बताया इसी बीच किसी तांत्रिक ने मोबाईल पर तांत्रिक विधा की है वह मृत बालक आयुष पर की है जिन्दे बालक पर किसी भी व्यक्ति द्वारा झाड फूक तांत्रिक विघा नही की गई है मरने के बाद ही की गई है वह किस व्यक्ति द्वारा अपने मोबाईल से किस तांत्रिक से बात कराई है जॉच से पता नही चल सका इस तरह का कोई भी तांत्रिक इलाका थाना क्षैत्र में निवास नही करता है ना इससे पहले कोई इस तरह की घटना इलाका थाना में सामने आई है। जॉच रिपोर्ट मय सउनि के श्रीमान की सेवामें सादर प्रेषित है।

भवदीय

(रामनाथ सिंह पु0नि0)
थानाधिकारी
थाना चिकसाना भरतपुर

ओर से
रामगोपालसिंह सउनि
थाना चिकसाना भरतपुर

श्रीमान थानाधिकारी महोदय
थाना चिकसाना भरतपुर राज0

विषय :– मा0 राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग, जयपुर के परिवाद दिनांक 27.8.2020 के समाचार पत्रो में प्रकाशित समाचार 30 किमी दूर से तांत्रिक फूकता रहा मंत्र म्रत बच्चे के मोबाईल पर सुनाते रहे परिजनो के संबंध में रिपार्ट बावत।

प्रसंग :– श्रीमान के पत्र कमाक भरत/अप/विविध/20/12717 दिनांक 11.09.2020 की पालना में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत एवं प्रसंगीय पत्र के संदर्भ में निवेदन है कि मा0 राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग, जयपुर के परिवाद दिनांक 27.8.2020 के समाचार पत्रो में प्रकाशित समाचार 30 किमी दूर से तांत्रिक फूकता रहा मंत्र मृत बच्चे के मोबाईल पर सुनाते रहे परिजन की जॉच श्रीमान थानाधिकारी महोदय द्वारा मुझ सउनि रामगोपालसिह को दी गई जिसकी जॉच की गई दौराने जॉच गॉव बराखुर पहुॅच कर मृतक आयुष के नाना श्री शरमन उर्फ बबलू, नानी श्रीमति पिस्तादेवी, श्रीमति मीना देवी, मामा श्री टीटू उर्फ रामशरन, श्री ओमवीर, एवं पडौसियान श्री हरप्रसाद, श्री रमेश के लिये बयान लेखबद्व किये जाकर गॉव में गोपनीय पूछताछ की गई तो समस्त ब्यायानात गवाहन एवं पूछताछ से पाया गया कि आयुष पुत्र श्री विश्राम जाति जाट उम्र 8 साल निवास शेखपुरा थाना कठूमर जिला अलवर अपने नाना–नानी के पास करीब 5–6 माह से रह रहा था गॉव बराखुर में ही टयूशन पढने जाता था दिनांक 23.08.2020 को अपनी नानी पिस्तादेवी के साथ एक ही चारपाई पर कमरे के अन्दर कूलर लगाकर सो रहे थे करीब 12–12.30 बजे रात्रि को मृतक की नानी पिस्तादेवी की छाती के उपर से सॉप निकल कर गया तब पिस्तादेवी द्वारा आयुष को उठाकर देखा तो कही सांप काटने का निशान नही मिला इसके बाद आयुष अपने मामा टीटू और ओमवीर को जगाकर लाया जिन्होने कमरे को चैक किया तो उसमें सर्प मिला जिसको टीटू द्वारा मार दिया गया करीब 2–3 घण्टे बाद आयुष के पेट में दर्द हुआ तो मृतक की नानी अपने पति बबलू उर्फ रामशरन के पास नौहरे पर ले गई जिसको सारी कहानी बताई और गॉव के काफी व्यक्ति एकत्रित हो गये जिन्होने विश्राम पर दिखाने की कहा बालक आयुष को विश्राम को दिखाया तो विश्राम ने बालक आयुष के शरीर को देखा तो आयुष के वाये कान के पीछे सर्प काटने का निशान मिला और सर्प काटने की एक खुराक दी। दूसरी खुराक दी तो आयुष ने उल्टी कर दी इसके बाद लोगो के कहने से शरूरपुर लेकर गये तो वैध द्वारा बच्चे को मृत होना बताया फिर आरबीएम अस्पताल ले गये जहॉ पर इमजैन्सी में डॉक्टर ने आयुष को मृत घोषित कर किया आरबीएम अस्पताल पर किसी व्यक्ति द्वारा मोबाईल से मृत बच्चे के कान पर कुछ सुनाया जिससे भी कोई फर्क नही पडा लोगो के कहने से कलुआ का नगला खानुआ लेकर गये वहॉ पर भी इलाज नही किया और घर ले जाने की बात कही।

सम्पूर्ण जॉच से पाया गया कि मृतक बालक आयुष अपने नाना–नानी के पास गॉव बराखुर में रहता था जिसको सर्प काटने की आशका से गाव के विश्राम को दिखाया तो मृतक बालक आयुष के बाये कान के पीछे सर्प के काटने का निशान होना पाया जाने पर सर्प की दवा गॉव में दी गई अधिक तवियत खराव होने पर गॉव शरूरपुर, कलुआ का नगला और आरबीएम अस्पताल में लेकर गये परन्तु सभी ने बच्चे को मृत बताया इसी बीच किसी तांत्रिक ने मोबाईल पर तांत्रिक विधा की है वह मृत बालक आयुष पर की है जिन्दे बालक पर किसी भी व्यक्ति द्वारा झाड फूक तांत्रिक विघा नही की गई है मरने के बाद ही की गई है वह किस व्यक्ति द्वारा अपने मोबाईल से किस तांत्रिक से बात कराई है जॉच से पता नही चल सका इस तरह का कोई भी तांत्रिक इलाका थाना क्षैत्र में निवास नही करता है ना इससे पहले कोई इस तरह की घटना इलाका थाना में सामने आई है। रिपोर्ट श्रीमान की सेवामें सादर प्रेषित है।

आईओ
रामगोपालसिंह सउनि
थाना चिकसाना भरतपुर